बांस की बांसुरिया लाला कहाँ ते लायो रे भजन लिरिक्स

बांस की बांसुरिया लाला,
कहाँ ते लायो रे,
कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।bd।

मोर मुकुट माथे तिलक विराजे,
कानो में है बाला,
मधुर मुरलीया ऐसी बाजे,
नाच उठी ब्रज बाला,
फागुन आयो रे फागुन रे,
कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।bd।

सास ननद से चोरी चोरी,
मैं रस्ता में आयी,
मधुर मुरलीया ऐसी बाजी,
सुध बुध सब बिसराई,
फागुन आयो रे फागुन रे,
कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।bd।

सारा जग मैं ढुढ चुकी,
मोहे कोई भाया रे,
ऐसी सुन्दर गुजरीया लाला,
कहाँ ते लायो रे,
फागुन आयो रे फागुन रे,
कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।bd।

चन्द्रसखी भज बालकृष्ण छवि,
ऐसी करुणा किजे,
होली के इन रंगन में मोहे,
चरणन की रज दिजे,
फागुन आयो रे फागुन रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।lbd।

बांस की बांसुरिया लाला,
कहाँ ते लायो रे,
कन्हैया बांसुरी बजा दे,
अब तो फागुन आयो रे।lbd।

स्वर – श्री रविनंदन शास्त्री जी।
प्रेषक – महेश सोनी भवानी।
9785970452

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com